भारत रत्न पुरस्कार, 2024

प्रलिम्सि के लयि:

भारत रत्न, करपूरी ठाकुर,, एम.एस स्वामीनाथन, पी.वी. नरसम्हिा राव, लाल कृष्ण आडवाणी , हरति क्रांति, उदारीकरण

मेन्स के लयि:

महत्त्वपूर्ण व्यक्तित्वि, सरकारी नीतयिाँ और हस्तक्षेप

स्रोत:द हिंदू

चर्चा में क्यों?

भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, प्रतिष्ठित भारत रत्न, राजनीति, शासन एवं कृषि में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पाँच प्रतिष्ठित हस्तियों को प्रदान किया जाने वाला है। वे हैं करपूरी ठाकुर, मनकोम्बु संबाशविन (एम.एस) स्वामीनाथन, पामुलपर्थी वेंकट (पी.वी.) नरसम्हिा राव, लाल कृष्ण आडवाणी **और चौधरी चरण सहि** है।

भारत रत्न पुरस्कार वजिेताओं (2024) के उल्लेखनीय योगदान क्या हैं?

- **करपूरी ठाकुर:**
  - करपूरी ठाकुर, जनि्हें **"जन नायक"** के नाम से जाना जाता है, वर्ष 1970-71 और वर्ष 1977-79 तक दो बार बहिार के 11वें मुख्यमंत्री रहे। उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानति कयिा जाएगा।
  - करपूरी ठाकुर अन्य पछिड़ा वर्ग (OBC) को आरक्षण का लाभ प्रदान करने में अग्रणी भूमकिा नभिाई थी क्योंकि उन्होंने वर्ष 1977 से 1979 तक बहिार के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान **मुंगेरी लाल आयोग** की सफिारशिों को लागू कयिा था।
  - **वर्ष 1978** में उन्होंने एक **अभूतपूर्व आरक्षण मॉडल प्रस्तुत** कयिा, जसिमें **OBC**, आर्थकि रूप से पछिड़े वर्गों **(EBC)**, **महलिाओं और उच्च जातयिों के बीच आर्थकि रूप से पछिड़े वर्गों के लयि वशिष्टि कोटे के साथ 26% आरक्षण** आवंटति कयिा गया था।
  - ठाकुर ने सामाजकि न्याय और समावेशी वकिास पर ज़ोर देते हुए हाशए पर मौजूद समुदायों के अधकिारों की वकालत की।

[//](#)

- **मनकोम्बु संबासविन (एम.एस.) स्वामीनाथन:**
  - भारत की [हरति क्रांति](#) **के जनक एम.एस. स्वामीनाथन** ने भारत को **कृषि में आत्मनर्भिर** बनने के साथ आधुनकि बनाया। उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानति कयिा जाएगा।
  - नॉर्मन बोरलॉग के साथ **उच्च उपज देने वाली(HyV) गेहूँ और चावल** की कस्मिें वकिसति कीं, जसिसे वर्ष 1960 से 70 के दशक में भारत में कृषि में क्रांति हुई।
  - उन्होंने **राष्ट्रीय कसिान आयोग** का नेतृत्व करते हुए कृषि उपज के लयिे उचति मूल्य और धारणीय कृषि पद्धतयिों की वकालत की।
  - उन्होंने पौधों में ववििधिता और [कृषक अधकिार संरक्षण अधनियिम, 2001](#) को वकिसति करने में महत्त्वपूर्ण भूमकिा नभिाई।
  - स्वामीनाथन को कई प्रतष्ठिति पुरस्कार प्राप्त हुए जनिमें **वर्ष 1961** में [शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार](#), **वर्ष 1971** में [रेमन मैग्सेसे पुरस्कार](#) एवं व**र्ष 1986** में **अल्बर्ट आइंस्टीन वशि्व वज्ञिान पुरस्कार** शामलि हैं।
    - इसके साथ ही इनको **पद्मश्री (1967), पद्म भूषण (1972) पद्म वभिूषण (1989)** से भी सम्मानति कयिा गया।
- **पामुलपर्थी वेंकट (पी.वी.) नरसम्हिा राव:**
  - 73वें और 74वें संशोधन अधनियिम [पंचायती राज संस्थानों](#) और [शहरी स्थानीय नकिायों (ULB)](#) में महलिाओं के लयिे एक तहिाई सीटें आरक्षति करने करने का प्रावधान करते हैं।
  - पी. वी. नरसम्हिा राव ने वर्ष 1991 से 1996 तक भारत के नौवें प्रधानमंत्री के रूप में कार्य कयिा, उन्हें **मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानति** कयिा जाएगा।
  - पी.वी. नरसम्हिा राव जब प्रधानमंत्री थे, तब उन्होंने [इज़रायल](#) के साथ नए संबंध स्थापति कयिे और साथ ही [अमेरकिा](#) के साथ भी संबंधों को मज़बूत करके **भारत की वदिेश नीति** को बदल दयिा।
  - उन्होंने अपनी परमाणु रणनीति को आगे बढ़ाने के भारत के अधकिार को छोड़ने से इनकार करके **राष्ट्रीय स्वतंत्रता को बनाए रखा**।
  - [वर्ष 1991 के LPG सुधारों](#) के बाद अर्थव्यवस्था को वैश्वीकरण के लयिे खोल दयिा गया, व्यापार बाधाओं को कम कयिा गया और कई उद्योगों में नजिीकरण शुरू कयिा गया, राव के कार्यकाल में अधकि आत्मवशि्वासपूर्ण राजनीतकि वातावरण के साथ भारत को आर्थकि [उदारीकरण](#) एवं पुनरुद्धार का मार्ग प्रशस्त हुआ।
  - उन्होंने प्रसद्धि तेलुगु उपन्यास **'वेई पदगलु'** का हदिी अनुवाद **'सहस्रफण'** प्रकाशति कयिा।
    - [73वें और 74वें संवैधानकि संशोधन अधनियिम](#) का कार्यान्वन पी.वी.नरसम्हिा राव के कार्यकाल के दौरान हुआ था।

- **लालकृष्ण आडवाणी:**
    - विगत वर्षों में आडवाणी ने भारत के 7वें उप प्रधानमंत्री (1999-2004) तथा वर्ष 1980 में **भारतीय जनता पार्टी** की स्थापना के बाद से सबसे लंबे समय तक **के अध्यक्ष** के रूप में कार्य किया है।
    - आडवाणी को व्यापक रूप से प्रबल बौद्धिक क्षमता, प्रभावशील सिद्धांतों और एक सशक्त तथा समृद्ध भारत के विचार के प्रति अटूट समर्थन वाले व्यक्ति के रूप में माना जाता है।

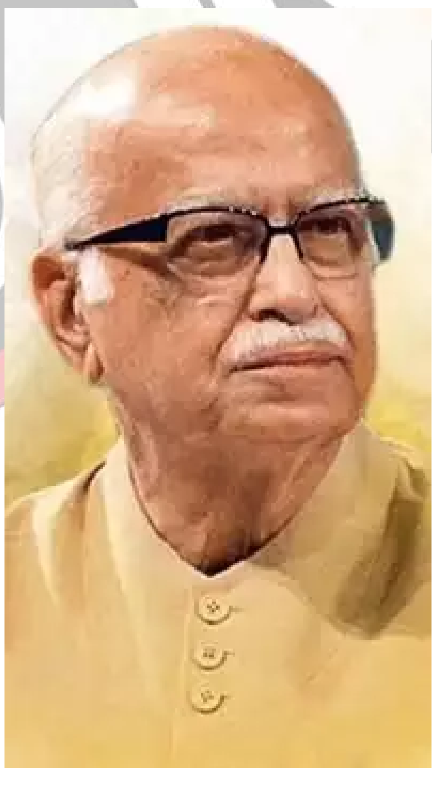

- **चौधरी चरण सिंह:**
    - चौधरी चरण सिंह एक भारतीय राजनीतिज्ञ और स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने**भारत के 5वें प्रधानमंत्री** और **उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री** के रूप में कार्यभार का दायित्व पूर्ण किया।

- वर्ष 1952 में कृषि मंत्री के रूप में उन्होंने **ज़मींदारी प्रथा** को खत्म करने में उत्तर प्रदेश का नेतृत्व किया।
  - उन्होंने **किसानों के हितों और अधिकारों** का समर्थन किया तथा उनकी स्थितियों तथा कल्याण में सुधार के लिये कई सुधारों की पेशकश की। उन्होंने **लोकतंत्र, पंथनिरपेक्ष और सामाजिक न्याय** के मूल्यों को बढ़ावा दिया।
  - चरण सिंह ने ब्रिटिश सरकार से स्वतंत्रता के लिये **अहिंसक संघर्ष** में **महात्मा गांधी** का पूर्ण रूप से अनुसरण किया और कई बार जेल गए।

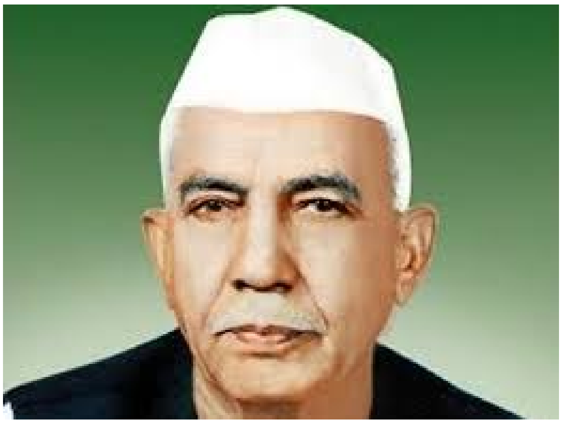

नोट:

- भारत रत्न के संबंध में **दिशा-निर्देशों के अनुसार एक वर्ष में अधिकतम तीन व्यक्तियों** को इस **पुरस्कार से सम्मानित किया जा सकता है**। इस **नियम को पहली बार वर्ष 1999 में तोड़ा** गया जहाँ चार व्यक्तियों को भारत रत्न से सम्मानित किया गया जिनमें **जयप्रकाश नारायण, अमर्त्य सेन, गोपीनाथ बोरदोलोई और रविशंकर** शामिल थे।
  - वर्ष 2024 में पुनः एक बार नियम को तोड़ा गया और **पाँच व्यक्तियों को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया**।

और पढ़ें...करपूरी ठाकुर को भारत रत्न, लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. भारत रत्न और पद्म पुरस्कारों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2021)

1. भारत रत्न और पद्म पुरस्कार भारत के संविधान के अनुच्छेद 18(1) के अंतर्गत उपाधियाँ हैं।
2. वर्ष 1954 में प्रारंभ किये गए पद्म पुरस्कारों को केवल एक बार निलंबित किया गया था।
3. किसी वर्ष-विशेष में भारत रत्न पुरस्कारों की अधिकतम संख्या पाँच तक सीमित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा सही नहीं है?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bharat-ratna-awardees-2024